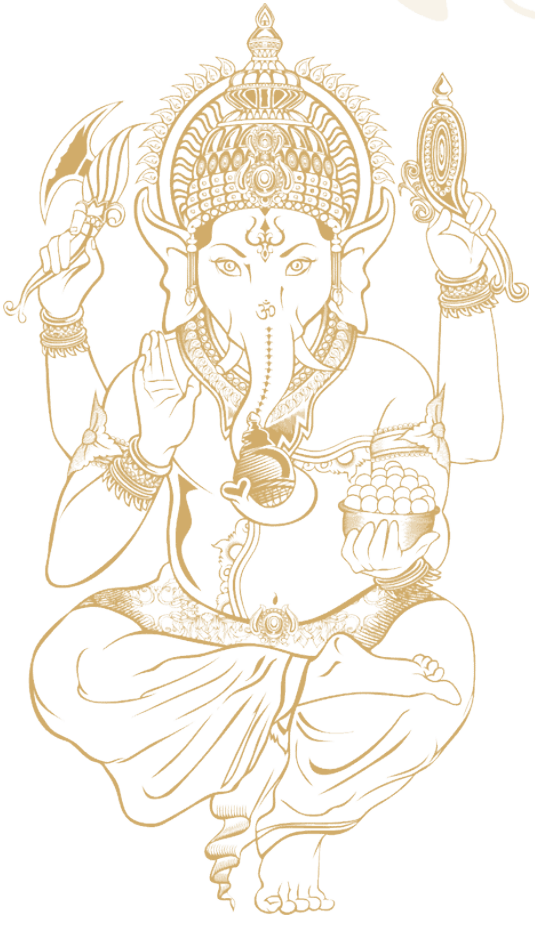

Nishka vijay

05 Nov 2013

05:47 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120424702

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**4-05/11/2013**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**05:47:00 घंटे**
इष्ट	57:50:49 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:20:20 घंटे
वेलान्तर	00:16:28 घंटे
साम्पातिक काल	08:17:55 घंटे
सूर्योदय	06:38:40 घंटे
सूर्यास्त	17:41:43 घंटे
दिनमान	11:03:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:41:31 तुला
लग्न के अंश	06:31:56 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शोभन
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-निष्ठा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:31:56	315:54:02	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			तुला	18:41:31	01:00:10	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	नीच राशि
चंद्र			वृश्चि	08:23:12	14:28:39	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	नीच राशि
मंगल			सिंह	17:59:17	00:34:23	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
बुध	व	अ	तुला	11:41:33	01:03:28	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु			मिथु	26:27:00	00:00:26	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	05:36:18	00:58:30	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
शनि		अ	तुला	20:00:23	00:07:12	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	उच्च राशि
राहु	व		तुला	13:42:40	00:00:30	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	13:42:40	00:00:30	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मीन	15:15:48	00:01:54	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
नेप	व		कुंभ	08:32:51	00:00:18	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
प्लूटो			धनु	15:27:22	00:01:20	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	08:09:57	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:11

लग्न-चलित

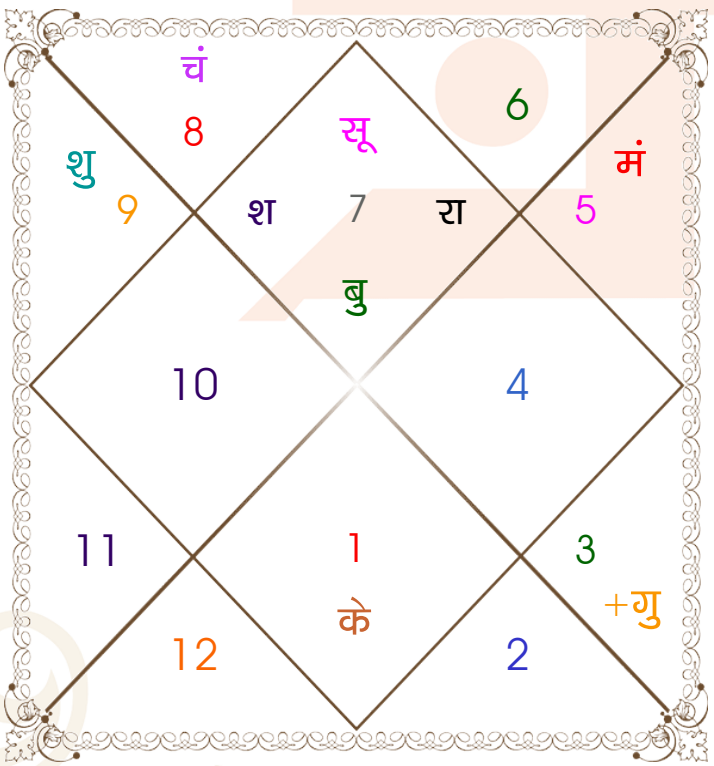

चन्द्र कुंडली

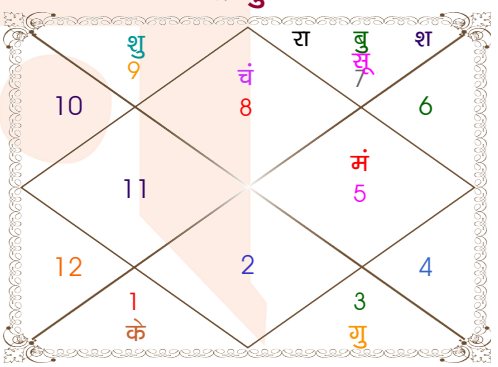

नवमांश कुंडली

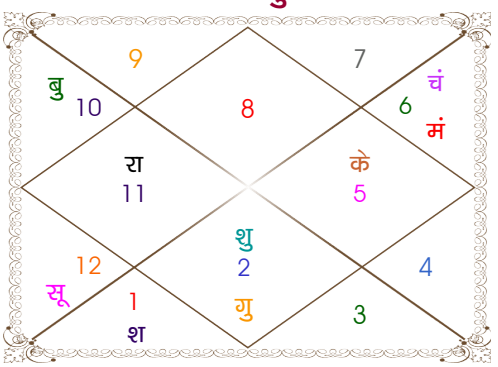

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 11 वर्ष 9 मास 17 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
05/11/2013		23/08/2025		24/08/2042		23/08/2049		23/08/2069	
23/08/2025		24/08/2042		23/08/2049		23/08/2069		24/08/2075	
	00/00/0000	बुध	20/01/2028	केतु	20/01/2043	शुक्र	23/12/2052	सूर्य	11/12/2069
	00/00/0000	केतु	16/01/2029	शुक्र	21/03/2044	सूर्य	23/12/2053	चंद्र	11/06/2070
	05/11/2013	शुक्र	17/11/2031	सूर्य	27/07/2044	चंद्र	24/08/2055	मंगल	17/10/2070
शुक्र	14/08/2016	सूर्य	22/09/2032	चंद्र	25/02/2045	मंगल	23/10/2056	राहु	11/09/2071
सूर्य	27/07/2017	चंद्र	22/02/2034	मंगल	24/07/2045	राहु	24/10/2059	गुरु	29/06/2072
चंद्र	25/02/2019	मंगल	19/02/2035	राहु	11/08/2046	गुरु	24/06/2062	शनि	11/06/2073
मंगल	05/04/2020	राहु	07/09/2037	गुरु	18/07/2047	शनि	23/08/2065	बुध	18/04/2074
राहु	10/02/2023	गुरु	14/12/2039	शनि	26/08/2048	बुध	23/06/2068	केतु	24/08/2074
गुरु	23/08/2025	शनि	24/08/2042	बुध	23/08/2049	केतु	23/08/2069	शुक्र	24/08/2075

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
24/08/2075		23/08/2085		23/08/2092		25/08/2110		25/08/2126	
23/08/2085		23/08/2092		25/08/2110		25/08/2126		00/00/0000	
चंद्र	23/06/2076	मंगल	19/01/2086	राहु	06/05/2095	गुरु	12/10/2112	शनि	27/08/2129
मंगल	22/01/2077	राहु	07/02/2087	गुरु	29/09/2097	शनि	25/04/2115	बुध	06/05/2132
राहु	24/07/2078	गुरु	14/01/2088	शनि	06/08/2100	बुध	31/07/2117	केतु	15/06/2133
गुरु	23/11/2079	शनि	22/02/2089	बुध	23/02/2103	केतु	07/07/2118	शुक्र	06/11/2133
शनि	23/06/2081	बुध	19/02/2090	केतु	13/03/2104	शुक्र	07/03/2121		00/00/0000
बुध	23/11/2082	केतु	18/07/2090	शुक्र	13/03/2107	सूर्य	24/12/2121		00/00/0000
केतु	24/06/2083	शुक्र	17/09/2091	सूर्य	05/02/2108	चंद्र	25/04/2123		00/00/0000
शुक्र	22/02/2085	सूर्य	23/01/2092	चंद्र	06/08/2109	मंगल	31/03/2124		00/00/0000
सूर्य	23/08/2085	चंद्र	23/08/2092	मंगल	25/08/2110	राहु	25/08/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 11 वर्ष 9 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।